परिवर्तन
PARIVARTAN
समेकित ग्रामीण समुदाय विकास हेतु तक्षशिला की पहल

ग्राम : नरेन्द्रपुर, प्रखंड : जीरादेई
जिला : सिवान, बिहार
दूरभाष : 07759863369

तक्ष शिला

अंक – बारह अप्रैल 2018 – जुलाई 2018

बाल संवाद

प्यारे दोस्तो

मैं हूँ चहकने की ललक। इस बार अंक 12 में मेरे बाल लेखकों ने मेरे लिए मेरे बारे में बहुत अच्छा लिखा है। इससे पता चलता है कि मुझसे मिलने के बाद इन बाल लेखकों में बहुत बदलाव आया है। इस अंक को सभी लेखक ने खुद से तैयार किया है। सर्वप्रथम 2014 में मुझे प्रकाशित किया गया, जिसमे मेरे बाल लेखकों ने अपनी रचना को प्रदर्शित किया। उस दरमियान उन्हे बेहद खुशी हुई। और आशा करती हूं कि आगे भी ऐसा ही अच्छा लिखेंगे। यह परिवर्तन बाल अखबार सभी छात्रों का अखबार है जिसकें बच्चे अपनी-अपनी कला को दिखाने की कोशिश करते हैं।

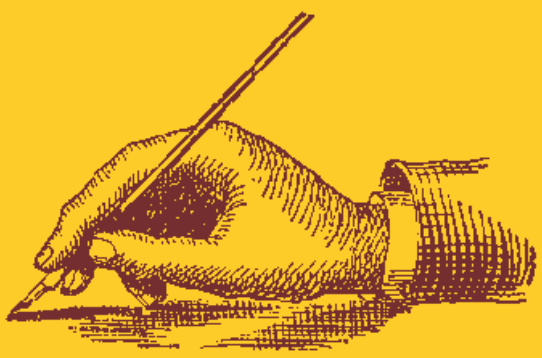

आपका साथी मैं
(चहकने की ललक)

आजाद हुआ मिठु

कहानी

एक सोनु नाम का लड़का था। जिसके पापा उसके जन्मदीन पर एक तोता दिये। ये सोनू तोता को पिंजरे में देख उछल पड़ा देखो पापा इसके पंख कितने सुंदर है। मै इसका नाम मिट्ठु रखुंगा। मगर जो तोता था वह उदास था। सोनु ने तोता से पुछा तुम मेरे दोस्त बनोगे मिट्ठु बोला हैं टैंय हैं टैंय फिर अपना सर नीचे कर लिया ऐसे कितने दिन बीत गये और जो सोनू के खाने के लिये उसके पिंजरे में कटोरी में रखा था, वह खाया तक नही। एक दिन रात में सोनु के घर के पास बहुत शोर होने लगा जैसे ही सोनू घर के बाहर निकला। उसके सामने दो अजनबी लोग आ गये सोनू ड़र के मारे पुछा तुम कौन हो मुझे कहा ले जा रहे हो उसने कोई जवाब नही दिया। उसे लेकर एक घर में बंद कर दिया वे लोग उसे खाना और पानी भी दिया और बोले जल्दी खाले सोनू। सोनू को समझ में आया की मिट्ठु क्यो उदास था। वह वहा से भागकर घर आते ही पहले मिट्ठु को पिंजरे से बाहर निकाल कर पेड़ के ड़ाली पर रख दिया। वह आसमान में घुमने लगा और पक्षियों के साथ खेलने लगा तब सोनू भी बहुत खुश था।

प्रतिमा कुमारी, कक्षा – 10, गाँव – जामापुर

कहानी

दो मित्र थे राम और श्याम। राम बहुत गरीब था लेकिन दोस्त श्याम बहुत अमीर था दोनो दसवें क्लास मे थे। एक दिन राम की तबीयत बहुत खराब हो गई वह श्याम को लेकर हॉस्पीटल गया। दवा मिल गई डॉक्टर ने कहा बुखार तो ठीक हो जाएगा लेकिन आँखो की रोशनी कम हो जाएगी इसलिए इन्हे चश्मा की जरूरत होगी अगर ये चश्मा नही पहनेगे तो इन्हे कुछ भी ठीक से दिखाई नही देगा। इसलिए आपलोगो को चश्मा ले लेना चाहिए। राम ने चश्मे का दाम पुछा तो डॉक्टर ने कहा कि 500 का है। राम उदास हो गया बोला मेरे पापा के पास इतना पैसा कहां से आएगा। मै अब लग रहा है पढ़ नही पाऊंगा लेकिन उसका दोस्त श्याम बोला तुम चिन्ता मत करो। मेरे पापा जरूर दे देंगे वो दोनो घर गये श्याम अपने पापा से कहा पापा मुझे 500 रू. चाहिए उसके पापा ने कहा क्यों उसने सारी कहानी बता दी लेकिन उसके पापा ने पैसे देने से इंकार कर दिए वो दोनो मायुस हो गए।

मुस्कान खातुन, घर जमापुर, कक्षा–8

गर्मी का मौसम

कविता

गर्मी का मौसम आता है।
सबके मन भाता है।
शरीर से पसीना आता है।
हाथ सभी के पंखा रहता है।

सारे लोग जाते है पेड़ के नीचे
वही सो जाते है।
फिर हवा नही चलता
शरीर से पसीना आता है।
हाथ सभी के पंखा रहता है।

स्कूल की छुट्टी मिल जाती है।
बच्चे खुश हो जाते है।
खुश होकर गाने गाते
और नदी में नहाते है।

गर्मी के छुट्टी में वह
बाहर घुमने जाते है।
मौसम का आनंद पाकर
वह बहुत खुश हो जाते है।

आशिष कुमार, कक्षा – 8
गाँव – बड़हुलिया

अपनी बात

शिक्षकों की कलम से

एक दिन की बात है जब मै अपने दादाजी के साथ बगीचे में घूमने गया तो मैने देखा कि बगीचे में विशाल–विशाल पेड़ है। मैने दादाजी से पुछा कि ये इतना बड़ा पेड कहाँ से आता है तो दादाजी ने बताया कि ये पेड़ एक बहुत ही छोटे बीज से उत्पन्न होता है और फिर कई सालो तक बढ़ता रहता है तब जाकर यह बीज से इतना बड़ा हुआ है। फिर मैने पुछा की इतना छोटा बीज से इतना बड़ा पेड़ कैसे हो जाता है तो दादा जी ने कहा कि जैसे तुम कल इतने छोटे थे और कल को तुम भी अपने भैया के तरह बड़े हो जाओगे। फिर मैने दादाजी से कहा कि जैसे हम अपने घरो मे रहते है उसी तरह यह बगीचा तथा पेड़ पौधे भी इनके लिए घर है। फिर मैने पुछा अगर पेड़ नही रहेंगे तो ये कहाँ रहेंगे। तो दादाजी ने कहा कि पेड़ जब हम काटते हैं। तभी समाप्त होता है। इसलिए हमे पेड़ों को नही काटना चाहिए। ऐसा करने से उन तीतलीयो पक्षियो तथा अन्य जानवरों का घर समाप्त हो

जायेगा, फिर मैंने पूछा कि फिर मैं तितिलियों को कैसे देखूंगा? तो दादाजी ने कहा कि हमें पेंड़ नहीं काटना चाहिए।

ब्रजेश कुमार सिंह, झरोखा फेसिलिटेटर

गर्मी के मौसम में हमलोग सुती कपड़ा हाफ पैंट इत्यादि पहनते हैं। हमलोगों को इन दिनो छांव में रहना पसंद करते हैं। गर्मी के मौसम में धुप बहुत ज्यादा रहता है। धूप के कारण लोग अपने घरो से निकलना पसंद नही करते हैं। बहुत गर्मी लगता है। गर्मी के वजह से स्कूल भी बंद रहते है। मास्टरजी होमवर्क घर के लिए दे देते है। घर में बैठकर होमवर्क करते है। गर्मी के कारण लोग बीमार पड़ जाते है। गर्मी के मौसम में तालाब तथा नदिया सुख जाती है। हर घर में पानी की कमी महसूस होती है।

लेख

लोग पानी के लिए दूर–दूर तक जाते है तथा खेतो की सिंचाई के लिए भी पानी की दिक्कत महसुस की जाती है। गर्मी के कारण घर के बाहर आना जाना बंद हो जाता है।

राजीव कुमार, संजलपुर, कक्षा–7

अपनी बात

एक मेरी सहेली थी लाली, जिनकी शादी बहुत दुर हुई है। उनका बड़ा घर और छोटा परिवार है। वह बहुत अच्छी है अपने घर वालो को हमेशा टाइम से खाना पीना देती है। और उनके घर किसी दुसरे लड़की की शादी थी। उनके शादी में बहुत पटाखे आये थे और इतनी बड़ी हाथी आयी थी कि हम सब देखकर डर गए थे। वह बहुत अच्छी झूम–झूम कर नाचती थी। उसके बाद वहां पर एक बगीचा था। उसमे बहुत सारे आम के पेड़ थे और उस दिन बहुत तेज हवा बह रही थी। और हमलोग वही थे तो हमें बहुत सारे आम मिले तो हम घर आते समय लेते आए। और एक लड़की थी जिनकी शादी हो गई थी।

नीलु कुमारी, बेलही, कक्षा–9

निबंध

शादी एक बहुत ही शुभ कार्यक्रम है। इसमे बहुत सारे मेहमान दोस्त एवं बड़ो का आशीर्वाद एवं छोटो का प्यार मिलता है। अगर कहा जाए तो शादी एक ऐसा पल है। जिसे सबको खुशियों से भर देती है। अगर इतिहास से बात किया जाय तो शादी एक प्रकृति को संतुलन बनाना एवं मानव विकास को बढाना है।

एक शादी ऐसा कार्यक्रम है जिसमें बहुत सारे मेहमान एवं दोस्त का आगमन होता है जिस घर में शादी होती है उस घर में एक साल या छः माह पहले से तैयारी में लग जाते है। इसमें बहुत सारा खान, पान का व्यवस्था होता है। साथ–साथ हमें नया–नया दोस्त एवं रिश्तेदारो से मुलाकात होती है।

अगर अभी का बात किया जाय तो बहुत ही दुःख लगता है अभी तक हमारे गाँव एवं कहीं–कहीं शहरो में इतना माहौल खराब है कि बिना दहेज का शादी नही होता है। इससे कहीं–कहीं गरीब

आदमी का गलत कदम भी उठाना पड़ता है। जिससे हमें शुभ होना चाहिए। क्योंकि जैसे मेरी माँ बहन है। वैसी ही सभी भारतीय महिला मेरी माँ, बहन जैसी इज्जत देना चाहिए।

हमें दहेज से मुक्त भारत बनाना होगा तभी देश के महिलाओ का विकास होगा।

मृत्युन्जय कुमार गुप्ता
बंधु सलोना, कक्षा–10

आपबीती

जब आम मोजर धरता है, तो कुछ दिनो के बाद टिकोड़ा धरता है हम बहुत सारे आम खाते है तो बीमार पड़ जाते है। तो मम्मी बहुत मारती है और डॉक्टर के पास लेकर जाती है। तो डॉक्टर सुई देता है और दवा देता है और 100 रुपये लेता है, मम्मी घर जाती है तो मिठाई खरीदती है और हम सब खाते है फिर जब मेरा तबीयत ठीक हो जाता है तो स्कूल जाते है।

निशा कुमारी, कक्षा–5, भवराजपुर

खुले से प्रश्न

गर्मी है तो एक सवाल गर्मियो वाला

दो इंच वाला एक कम्बल ज्यादा गर्म होगा या एक–एक इंच के दो कम्बल

आज के 21 बजकर 47 मिनट से लेकर कल के 13 बजकर 43 मिनट तक कितना समय होगा।

करने को कुछ

जब मै बाल घर किसलय मे पढ़ने के लिए आई तो मुझे एक गेम दिखाई दिया जिसका नाम है जोड़ो पाईप मै उसके बारे मे प्रियंका मैम से पुछी उन्होने मुझे बताया कि ऐसे पाईप को जोड़ा जाता है, उस दिन से मै जोड़ो पाईप गेम से पाईप जोडकर मंदिर, पहाड़, वर्ग, आयत इत्यादि चीजे बनाई मुझे उससे खेलना बहुत अच्छा लगता है।

सोनी खातुन, कक्षा–6, बाबु के भटकन

चुटकुला

दो पागल चौराहे पर मिलते है

पहलाः जानता है भारत और हिन्दुस्तान के बीच जंग छिड़ गई है।

दूसराः जाने दे, तु चिन्ता क्यो करता है। हमलोग तो इंडिया मे रहते हैं।

आकाश कुमार, कक्षा–4, धर्मपुर

खाने की पहाड़ा

दाल	–1–	दाल
दाल	–2–	भात
दाल	–3–	तरकारी
दाल	–4–	चटनी
दाल	–5–	पापड़
दाल	–6–	छोला
दाल	–7–	सलाद
दाल	–8–	अचार
दाल	–9–	नमकीन
दाल	–10–	दही

हमार पहाड़ा सही

रितु कुमारी, कक्षा–5, मिया के भटकन

हमार बोली

आम के जब दिन आवेला तब बहुत मजा आवेला। आम जब पाक जाला त बगीचा मे से आम बीन के लेके आवेनी घर मे रख देनी, फिर बगीचा मे जाके गाछ पर से आम तुर–तुर के खानी, जब आम खाके मन भर जाला त घरे आ के सुत जानी।

बेबी कुमारी, कक्षा–5, मियां के भटकन

आने वाला थीम

अंक 13 के लिए

1. जेठ की दोपहरी
2. खेत की हरीयाली
3. ईद की सेवईया
4. दादी की सतु
5. सावन का झूला
6. मछली पकड़ना

हमारे बाल चित्रकार

स्नेहा कुमारी
कक्षा–4, धर्मपुर

पूजा कुमारी, कक्षा–2
मियाँ के भटकन

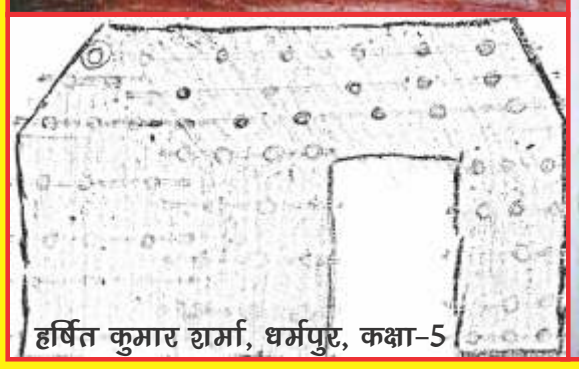

प्रियांशु गुप्ता, कक्षा–2, नरेन्द्रपुर

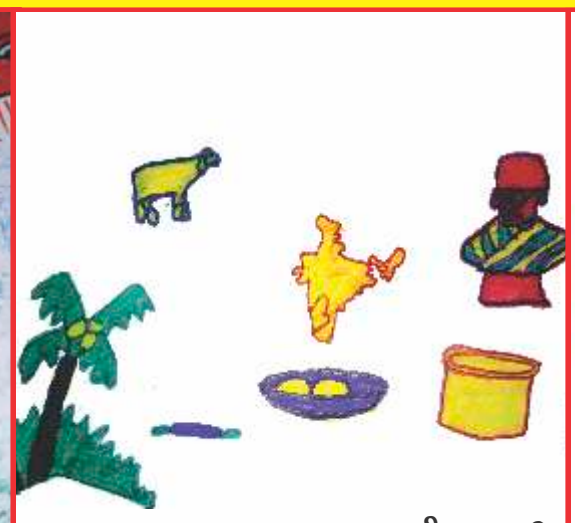

ज्योति कुमारी, कक्षा–5, धर्मपुर

हर्षित कुमार शर्मा, धर्मपुर, कक्षा–5

सत्यम सोनी,
कक्षा–2, नरेन्द्रपुर

कहानी

एक मछुआरा था उसकी नयी–नयी शादी हुई थी। उसका छोटा सा एक घर था। और मछुआरा रोज एक मछली लाता तो वह दो मछलियों की जिद करती। कहती आपका घर छोटा है मुझे और बड़ा घर चाहिए, जिसमें सोफा, मलमल का कपड़ा ये सब मुझे चाहिए। एक दिन मछुआरा दुःखी होकर मछली पकड़ने गया। तो उसे एक चमकीली मछली मिली जो कि बोलती थी उसने चमकीली मछली को पानी में छोड़ दिया फिर घर चला गया अपनी पत्नी से चमकीली मछली के बारे में बताया। तो वो बोली उस मछली को मेरे पास ले आओ। वो मछुआरा दुःखी होकर गया। तो मछली बोली तुम्हे क्या चाहिए। वो बोला मेरी पत्नी को एक बड़ा घर चाहिए। चमकीली मछली बोली तुम घर जाओ तुम्हारी पत्नी को घर मिल गया है। अब वो बोली मुझे महल चाहिए। फिर वो मछुआरा नदी किनारे गया बोला मेरी पत्नी को महल चाहिए। मछली बोली जाओ उसे वो मिल चुका है। लेकिन वो खुश नही है फिर बोली मुझे अपना पुराना वाला ही घर चाहिए। मछुआरा फिर गया और बोला चमकीली मछली मेरे पत्नी को पुराना वाला घर चाहिए वो मिल गया वो खुशी–खुशी रहने लगे।

पूजा कुमारी, ग्राम संधू, कक्षा–9

पहेली

1. एक आदमी है, जिसका पेट फटा है, वह क्या है
2. हेती–चुकी दाई सब लोग मे खाई
3. नाथल भईसा घर घर घुमे

इन्दल कु0 सिंह, कक्षा–6, रूइयाँ

1. गेहूँ 2. मक्खी, 3. चप्पल

तक्षशिला पब्लिकेशन द्वारा परिवर्तन के लिए प्रकाशित। सज्जा एवं मुद्रणः इमेजिका ग्राफिक्स